वर्ष-11 | अंक-37 | भोपाल, 04 मई से 10 मई 2026 तक | पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपयें

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

प्रकृति अनुकूल स्थापत्य हमारे वास्तु का है आधार : मुख्यमंत्री

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति अनुकूल स्थापत्य हमारे वास्तु का आधार है। वर्तमान समय की बड़ी चुनौती यह है कि हम कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं। पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम उस परंपरा के उत्तराधिकारी हैं जिन्होंने स्वस्थ नगर नियोजन के साथ जल संरक्षण के लिए विशाल इकोलॉजिकल सिस्टम बनाये। विद्वान, वास्तुकार राजा भोज द्वारा विकसित भोपाल इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। सौभाग्य का विषय है कि सस्टेनेबल फ्यूचर इनोवेशंस इन ग्रीन बिल्डिंग प्रैक्टिसेस जैसे विषय पर भोपाल में राष्ट्रीय सेमिनार हो रहा है। प्रदेश के ऐतिहासिक स्थल मांडव के जल प्रबंधन और नगर नियोजन को देखते हुए वहां भी इस प्रकार के आयोजन होने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर अखिल भारतीय सेमिनार और इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113 गवर्निंग कॉउंसिल मीटिंग के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग तथा इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस, कार्यक्रम के आयोजक हैं।

पी.डब्ल्यू.डी. की स्मारिका, न्यूज लेटर और आईबीसी की बिल्ट इन्वायरमेंट पत्रिका का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने शॉल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम वंदे-मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। इस अवसर पर आईबीसी इनोग्रल सॉन्ग और लोक निर्माण विभाग की परियोजना क्रियान्वयन इकाई की गतिविधियों पर लघु फिल्म की प्रस्तुति हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग की स्मारिका, न्यूज लेटर और आईबीसी की बिल्ट इन्वायरमेंट पत्रिका का विमोचन किया। उनकी उपस्थिति में आईआईटी इंदौर और लोक निर्माण विभाग के बीच निर्माण तकनीक पर केंद्रित एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। दूसरा एमओयू लोक निर्माण विभाग तथा गृहा संस्था के साथ किया गया।

हम प्रकृति से सीखें और उसके साथ आगे बढ़ें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राजा भोज ने भोज पत्रों पर लेख और निर्माण कार्यों के माध्यम से हमें प्राचीन भारतीय निर्माण परंपरा की अद्भुत सौगात दी है। राजा भोज ने प्रकृति के साथ प्रगति ?की बात समरांगण सूत्रधार में स्पष्ट की थी। हमारे ग्रंथों में कहा गया है %यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे% अर्थात् जो शरीर में है वही ब्रह्मांड में है। ग्रीन बिल्डिंग, पृथ्वी-जल-अग्नि-वायु-आकाश तत्वों के समावेश से हमारे घरों को उसी ब्रह्मांडीय संतुलन में वापस लाने की एक प्रक्रिया है। हमारे प्राचीन ग्रंथ यह मानते हैं कि एक भवन में इन सब तत्वों का समावेश आवश्यक है। वर्तमान दौर में जीपीएस एक नई तकनीक है, लेकिन पृथ्वी का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में है। यह प्राचीन काल से समय गणना का मुख्य केंद्र माना जाता है। तत्कालीन गणना की सटीकता इससे सिद्ध होती है कि वर्तमान में भी निश्चित तिथियों पर मौसम में बदलाव का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे श्रृंगेरी में भी स्थापत्य कला का अद्भुद उदाहरण देखने को मिलते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्राचीन ज्ञान और परंपरा को मौजूदा दौर में विज्ञान के साथ जोड़ा है। आज आवश्यकता है कि हम प्रकृति से सीखें और उसके साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन वास्तुकला की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए भोपाल के बड़े तालाब और उज्जैन में शिप्रा नदी के आस-पास की संरचनाओं का उल्लेख किया।

अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है, लेकिन अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग हो, इन बिन्दुओं के साथ ही हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी है, यह मुख्य चुनौती बनकर सामने आई है। राज्य सरकार ने इस चुनौती का सामना करने में जन-जन की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुढ़ी पड़वा से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की है। गंगा दशहरा 25 मई को इसके अंतर्गत प्रदेश में कुएं, बाबड़ियों और सभी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है। इसमें अधिक से अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश में सभी ने जल संरचनाओं पर निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश जल संरक्षण कार्यों में देश में प्रथम स्थान पर है। जल संचयन में डिण्डौरी और खंडवा जिले देश में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग ने बनाई अपनी नई छवि

प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग और आईबीसी मध्यप्रदेश चैप्टर के प्रेसिडेंट श्री एस.आर. बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदृष्टि के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश में अब सभी भवन ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर बन रही हैं। आईबीसी प्रेसिडेंट श्री चिन्मय देवनाथ ने कहा कि आज इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113 गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में ग्रीन बिल्डिंग सामग्री, ऊर्जा दक्षता, प्राकृतिक प्रकाश एवं वेंटिलेशन, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस, 3ष्ठ प्रिंटिंग एवं प्री-फैब्रिकेशन जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श होगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सेक्टर में आ रही चुनौतियों का हल निकालना है। ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर्यावरण के लिए लाभकारी है। इसमें ऊर्जा संरक्षण और जल संरक्षण पर खास जोर दिया जाता है। इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस आईबीसी के संस्थापक अध्यक्ष श्री ओपी गोयल ने कहा कि आईबीसी का भोपाल चैप्टर काफी सक्रियता के साथ काम कर रहा है। यहां इंजीनियरिंग सेक्टर में नए सॉफ्टवेयर और नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ने गंभीरता के साथ कार्य करते हुए अपनी नई छवि बनाई है।

सस्टेनेबल फ्यूचर केवल विचार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए नवाचारों के साथ अधोसंरचना विकास को गति प्रदान कर रहा है। प्रदेश में टिकाऊ निर्माण के लिए भारतीय प्राचीन निर्माण तकनीक पर हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैदिक घड़ी को सराहा है। इस घड़ी के निर्माण का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जाता है। प्रदेश में बनने वाले सभी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर बनाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया है। प्रदेश में हाईवे और फ्लाईओवर्स को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक के साथ तैयार किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह ने विशेषज्ञों से आह्वान किया कि मध्यप्रदेश की विविध भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कम लागत वाली ग्रीन बिल्डिंग तकनीकों का विकास किया जाए, जिससे आम नागरिक भी इनका लाभ प्राप्त कर सकें।

आज गढ़ाकोटा में मेला रहस लोकोत्सव का शुभारम्भ मप्र के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

सीआईडी ने पुलिस आयुक्तों, एसपी को किया अलर्ट

पुलिस कर रही अपराधों की गलत विवेचना और एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश के अलग-अलग थानों में पुलिस द्वारा की जा रही एफआईआर और विवेचना में स्पेशल एक्ट के प्रावधानों की गलत व्याख्या के चलते लीगल प्रोसेस प्रभावित हो रही है। इस तरह के मामले सामने आने के बाद पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस अधीक्षकों को विशेष अधिनियम वाले प्रावधानों में सटीक व्याख्या के आधार पर एफआईआर करने और विवेचना करने के निर्देश जारी किए हैं ताकि केस की लीगल स्थिति प्रभावित नहीं होने पाए। स्पेशल डीजी अपराध अनुसंधान विभाग पुलिस मुख्यालय ने स्पेशल एक्ट के अंतर्गत आने वाले अपराधों के पंजीयन, विवेचना और अभियोजन प्रक्रिया को लेकर डिटेल दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पीएचक्यू द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि विधानसभा सत्र के दौरान उठे प्रश्नों और समीक्षा के बाद यह सामने आया है कि कई पुलिस थानों में विशेष अधिनियमों में चिन्हित अपराधों को असंज्ञेय या अन्य श्रेणी में मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के संज्ञेय अपराधों के साथ जोड़कर प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की जा रही है। इससे कई मामलों में लीगल प्रोसेस प्रभावित हो रही है।

पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 के अंतर्गत प्रावधानों का उपयोग तभी किया जाएगा, जब संबंधित विशेष अधिनियम

में अभियोजन की अलग प्रक्रिया निर्धारित न हो। यदि किसी विशेष कानून में अपराध के पंजीयन, जांच या अभियोजन की स्पष्ट प्रक्रिया दी गई है, तो पुलिस को उसी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करना अनिवार्य होगा।

आदेश में सभी पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, रेल पुलिस, एसटीएफ, साइबर इकाइयों और पुलिस मुख्यालय की शाखाओं को निर्देशित किया गया है कि विशेष अधिनियमों से जुड़े मामलों में अपराध पंजीयन करते समय संबंधित कानूनों का गंभीरता से अध्ययन करें और उसी के अनुरूप वैधानिक कार्रवाई करें, ताकि जांच और अभियोजन प्रक्रिया मजबूत, पारदर्शी और कानून सम्मत बनी रहे।

इन अधिनियमों का दिया हवाला

■आदेश में कई महत्वपूर्ण अधिनियमों का उदाहरण देते हुए प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के तहत पीड़ित को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन का अधिकार, सेवा प्रदाताओं और संरक्षण अधिकारियों की जानकारी, निःशुल्क विधिक सहायता और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताना पुलिस की जिम्मेदारी होगी।

■घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2005 में पीड़िता को उपलब्ध सेवाओं, संरक्षण अधिकारियों और विधिक सहायता संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया गया है।

■मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम 1960 के तहत सक्षम प्राधिकारी की लिखित पूर्व मंजूरी के बिना संज्ञान नहीं लिया जा सकेगा। केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 में भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही कार्रवाई होगी।

■खाद्य एवं औषधि नियंत्रण अधिनियम 1957 में अभियोजन के लिए अधिकृत अधिकारी द्वारा न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किए जाने का प्रावधान है।

■मध्यप्रदेश श्रम कल्याण निधि अधिनियम 2006, पीएमएलए एक्ट 2002, मध्यप्रदेश देनदार संरक्षण अधिनियम 1937 और पासपोर्ट अधिनियम 1967 जैसे मामलों में भी संबंधित अधिनियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप ही कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भोपाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का सुसाइड: नोट में लिखा- पति की प्रताड़ना से जान दे रही हूं, मुझे छोड़ दिया और मेरे नाम पर कार फाइनेंस करा ली

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कजलीखेड़ा में रहने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने शुक्रवार शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी बॉडी थुआखेड़ा आंगनबाड़ी में मिली। शव के पास ही एक डायरी से दो पेज का सुसाइड नोट मिला है। शनिवार को यह डायरी परिजनों ने पुलिस को सौंप दी है। सुसाइड नोट में महिला ने पति पर खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। साथ ही बेटे और बहू को उनका हक दिलाने की बात लिखी और पति को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की बात लिखी है। शनिवार दोपहर को पुलिस ने पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी है। मृतका ओमवती मीणा पति राजेश मीणा (48) थुआखेड़ी की रहने वाली थीं और आंगनबाड़ी में जॉब करती थीं। शुक्रवार की शाम को आंगनबाड़ी में अकेली

थीं। इससे पहले अन्य महिला कर्मचारी को बच्चों को लेने गांव भेजा था। जब सहकर्मी आंगनबाड़ी में लौटी तो उसने ओमवती के शव को पंखे पर दुपट?टे से बने फंदे पर लटका देखा। जिसके बाद में गांव वालों को मदद के लिए बुलाया। ग्रामीणों ने शव को देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई की और बॉडी को पोस्टमार्ट्म के लिए जीएमसी की मर्चुरी में रखवा दिया।झ

दामाद बोला ससुर के कारण सास ने जान दी

मृतका के दामाद कपिल मारण (भतीजी का पति) ने बताया कि ससुर की प्रताड़ना से तंग आकर सास ने जान दी है। सास के होते हुए भी उन्होंने बिना डायवोर्स के दूसरी शादी कर ली। इससे सास डिप्रेशन में रहती थीं। दोनों करीब तीस साल से अलग रह रहे थे। लेकिन ससुर उन्हें कॉल कर और मिलकर धमकाते थे, गालियां देते थे। इसका जिक्र सास ने सुसाइड नोट में किया है। सास अपने सात महीने के बेटे को लेकर मायके में रहने लगी थीं। बेटा अब 28 साल का हो चुका है, दो साल पहले उसकी शादी हो चुकी है।

जानिए ओमवती ने सुसाइड नोट में क्या लिखा

आखिर के राजेश ने हमे पहुत परेशान किया, वह अपनी दूसरी पत्नी के साथ रहने लगा है। हमसे कोई रिश्ता नहीं रखता, बात नहीं करता, कोई जिम्मेदारी नहीं उठाता। मैने अपनी काबीलियत के दम पर नौकरी हासिल की। इसने मेरे नाम से कार फाइनेंस करा ली। इसे यह इस्तेमाल करता है। किश्त मेरे खाते से कटती है। आए दिन बदतमीजी करता है। गालियां देता है, इसे हमारी कोई परवाह नहीं है। इससे परेशान होकर मैं जान दे रही हूं। मुझे यह सब अच्छा नहीं लग रहा है। मेरी मौत का जिम्मेदारी मेरे पति ही है। उसी के कारण मैं जान देने पर मजबूर हूं...हमारा ख्याल तो रखता नहीं है, सुसाइड के लिए उकसाता है।

जनसंघ के संस्थापक सदस्य, राष्ट्रऋषि, %भारत रत्न% नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।अंत्योदय और ग्रामोदय को जीवन का संकल्प बनाकर उन्होंने सेवा, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण की जो अमिट परंपरा स्थापित की वह सदैव हम सबका मार्गदर्शन करती रहेगी।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

रेबिज का इलाज कराने भर्ती हुआ था, पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल एम्स की खिड़की से मरीज ने लगाई छलांग, मौत

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल एम्स के मेडिकल वार्ड में भर्ती रेबीज के मरीज ने खिड़की से शुक्रवार रात को छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने के बाद उसने दोनों हाथ व पैर टूट गए थे। कुछ देर के इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शनिवार को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है। बागसेवनिया पुलिस के अनुसार कमल सिंह पिता बलराम सिंह (24) विदिशा जिले के इकोदिया गांव थाना नटेरन का रहने वाला था। गत 5 मार्च को गांव में ही उसे मोहल्ले के आवारा कुत्ते ने काट लिया था। दाहिने हाथ में काटने पर थोड़ा खून निकला। शुरूआती तौर पर कोई तकलीफ नहीं होने पर युवक ने डॉक्टरों से कोई इलाज नहीं कराया और रेबीज का इंजेक्शन भी नहीं लगवाया।

कुत्तों की तरह भौंकने लगा था

कुछ दिन बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। उसने स्थानीय अस्पताल में दिखाया तो वहां पर बताया गया कि एंटी रेबीज का इंजेक्शन नहीं लगने के कारण संक्रमण फैल गया। उसे रेबीज हो गया। रेबीज होने के कारण वह अजीब हरकतें करता, भोंकता और लार गिरा रहा था। जब उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई तो परिजनों ने उसे 30 अप्रैल को इलाज कराने के एम्स में भर्ती करा दिया।

पहली मंजिल से लगाई थी छलांग

उसे मेडिकल वार्ड के आईसोलेशन वार्ड में रखा गया था। गुरुवार रात वह वार्ड के स्टॉफ की नजर बचाते हुए खिड़की के पास पहुंचा और पहली मंजिल पर बने इस वार्ड से उसने छलांग लगा दी। जमीन पर गिरने के कारण उसके दोनों हाथ-पैर टूट गए। एम्स में ही इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उज्जैन एवं भोपाल पुलिस ने ट्रैक्टर एवं चारपहिया वाहन धोखाधड़ी करने वाले गिरोहों का किया भंडाफोड़

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस को दो अलग-अलग प्रकरणों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। उज्जैन एवं भोपाल पुलिस द्वारा संगठित धोखाधड़ी गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 ट्रैक्टर, 1 एक्सयूव्ही , 02 बोलेरो एवं 02 इनोवा कार सहित लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति जप्त की गई है। जिले के थाना भाटपचलाना पुलिस द्वारा किसानों के साथ ट्रैक्टर धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये मूल्य के 20 ट्रैक्टर जप्त किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना भाटपचलाना क्षेत्र में किसानों द्वारा ट्रैक्टर

धोखाधड़ी एवं ट्रैक्टर वापस न करने की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल विशेष टीम गठित कर विवेचना प्रारंभ की गई। 30 अप्रैल को तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी रफीक पिता गनी मोहम्मद निवासी ग्राम माधीपुरा को गिरफ्तार किया गया।

राशन मांगने पर बहू का हाथ तोड़ा, मारपीट की : कपड़े फाड़कर घर से बाहर निकाला; डॉक्टर पति, सास और देवर पर मारपीट का केस दर्ज

न्यूज क्राइम फाइल

आलीराजपुर की एक महिला के साथ बड़वानी में मारपीट हुई। महिला को घर में राशन मांगने पर ससुराल वालों ने बेरहमी से पीटा। इस मारपीट में महिला का हाथ टूट गया। घटना 26 अप्रैल को सेंधवा ग्रामीण थाना क्षेत्र के चाचरिया गांव में हुई। पीड़िता रानु प्रजापति निवासी आलीराजपुर गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज जारी है।

डॉक्टर पति और उसके परिवार पर मारपीट का आरोप

जानकारी के अनुसार, पीड़िता के पति राजेश प्रजापति, जो पेशे से बीएचएमएस डॉक्टर बताए जा रहे हैं, ने राशन देने से इनकार

कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने अपनी मां शिवकन्या प्रजापति और भाई अजय प्रजापति के साथ मिलकर महिला की पिटाई की। पीड़िता ने बताया कि मारपीट के दौरान उसका हाथ तोड़ दिया गया, पेट में लात मारी गई और उसके कपड़े फाड़कर घर से बाहर निकाल दिया गया।

बच्चों के लिए खाने का राशन मांग रही थी महिला

रानु प्रजापति दो छोटे बच्चों की मां है। वह अपने बच्चों के लिए खाने का राशन मांग रही थी, जिस पर विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हिंसा में बदल गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पति, सास और देवर के खिलाफ सेंधवा थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रनिर्माण कभी भी तात्कालिक सोच से नहीं होता। वो एक बड़े विज़न, धैर्य और समय पर लिए गए निर्णयों से होता है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आखिर दुनिया का 'थानेदार' ट्रंप और उनका अमेरिका खुद इतना असुरक्षित क्यों है?

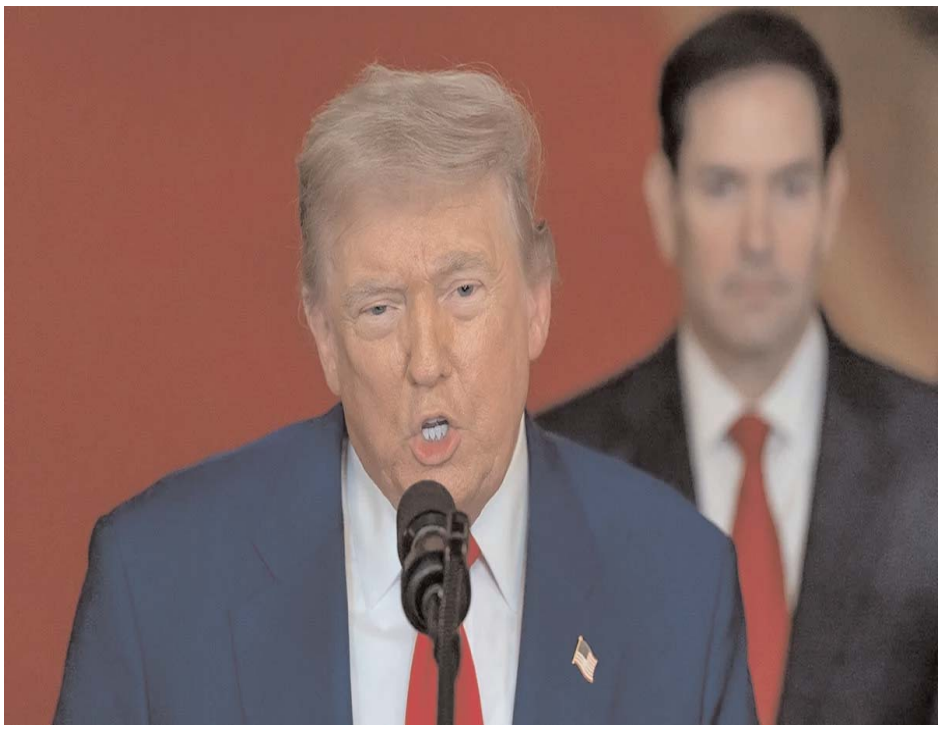

आखिर दुनिया का थानेदार कहे जाने वाला अमेरिका खुद असुरक्षित क्यों दिखता है? असल में यह एक मिथक और हकीकत का मिश्रण है। अमेरिका के नेता, जैसे डोनाल्ड ट्रम्प के असुरक्षित दिखने के पीछे कई परतें होती हैं, क्योंकि उनकी मौजूदगी वाले स्थल पर यह तीसरा बड़ा हमला है। इसलिए यह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक, संस्थागत और वैश्विक कारणों का मिश्रण है। पहला, वैश्विक नेतृत्व का दबाव- अमेरिका लंबे समय से खुद को विश्व नेतृत्व की भूमिका में रखता है। जब कोई देश या नेता इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाता है, तो हर निर्णय पर आलोचना और चुनौती स्वाभाविक होती है-चाहे वह शीत युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था हो या आज की बहुध्रुवीय दुनिया, अमेरिका ने हर चुनौतियों से सीखा और बेहतर समाधान देने की कोशिश की। दूसरा, घरेलू राजनीति की तीखी प्रतिस्पर्धा- डॉनल्ड ट्रंप की राजनीति बहुत ध्रुवीकृत रही है। अमेरिका के अंदर ही डेमोक्रेट और रिपब्लिकन के बीच तीखी टकराहट, मीडिया की आलोचना, और चुनावी दबाव—ये सब किसी भी नेता को रक्षात्मक या असुरक्षित दिखा सकते हैं। तीसरा, कानूनी और व्यक्तिगत विवाद- ट्रंप कई कानूनी मामलों, जांचों और विवादों से घिरे रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी नेता अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क—कभी-कभी असुरक्षित—दिख सकता है। चौथा, बदलती वैश्विक शक्ति-संतुलन- अब दुनिया एकध्रुवीय नहीं रही। चीन, रूस जैसे देश चुनौती दे रहे हैं। इससे अमेरिका की थानेदार वाली स्थिति पहले जैसी निर्विवाद नहीं रही, और यह असुरक्षा की भावना पैदा कर सकता है। ट्रंप की राजनीति में हम बनाम वे का नैरेटिव मजबूत रहा है। इस शैली में नेता अक्सर खतरे को बड़ा दिखाते हैं—चाहे वह बाहरी हो या आंतरिक—ताकि समर्थकों को एकजुट रखा जा सके। इससे भी असुरक्षा का आभास होता है। अमेरिका में लंबे समय में अपराध दर घटी है, खासकर 1990 के बाद से, लेकिन फिर भी लगभग 46त्न लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। यानी समस्या सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि डर का माहौल भी है कारण स्पष्ट है कि मीडिया, सोशल मीडिया, और मास शूटिंग जैसी घटनाएं लोगों के दिमाग में डर बढ़ाती हैं। सातवां, आर्थिक असमानता- अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर देशों में है, लेकिन अमीर-गरीब का अंतर बहुत बड़ा है बेरोजगारी, घर विहीनता,जैसी समस्याएं अपराध को बढ़ाती हैं। जहां असमानता ज्यादा होती है, वहां अपराध और असुरक्षा भी ज्यादा होती है। आठवां, हथियार संस्कृति- अमेरिका में आम नागरिक के पास बड़ी संख्या में हथियार हैं। इससे छोटी घटनाएं भी घातक बन सकती हैं, जैसे शूटिंग इंसीडेंट्स। यही कारण है कि हिंसात्मक अपराध का डर ज्यादा रहता है। नौवां, अपराध का केंद्रित होना- पूरे अमेरिका में समान खतरा नहीं है, बल्कि अपराध कुछ खास शहरों या इलाकों में ज्यादा केंद्रित होता है। इसलिए- कुछ जगह बहुत सुरक्षित है पर कुछ जगह बहुत खतरनाक। दसवां,, मीडिया और राजनीति का प्रभाव- लगातार चौबीस घण्टे सातों दिन न्यूज और सोशल मीडिया खतरे को अम्प्लीफाय करते हैं। लोग वास्तविकता से ज्यादा डर महसूस करते हैं। भय अर्थव्यवस्था भी एक फैक्टर है। ग्यारहवां, पुलिस और सिस्टम की सीमाएँ- अमेरिका पुलिस और जेल पर बहुत खर्च करता है, फिर भी मूल कारणों, जैसे-गरीबी, मानसिक स्वास्थ्य, नशा आदि पर कम ध्यान दिया जाता है। इसलिए सुरक्षा का ढांचा प्रतिक्रियावादी है, सुरक्षात्मक/संरक्षात्मक कम। बारहवां, सामाजिक व्यवहार और जीवनशैली- सड़क हादसे, नशा, मानसिक तनाव—ये भी असुरक्षा के बड़े कारण हैं कई मामलों में व्यवहार भी जिम्मेदार है। निष्कर्षत- यह कहा जा सकता है कि अमेरिका कमजोर नहीं है, लेकिन-आर्थिक असमानता, हथियार संस्कृति, सामाजिक तनाव और मीडिया द्वारा बढ़ा डर आदि के कारण एक शक्तिशाली देश भी अंदर से असुरक्षित महसूस करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप की हालिया सुरक्षा चूक व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर (25 अप्रैल 2026) के दौरान हुई, जब एक संदिग्ध ने होटल में घुसकर गोली चलाई। अमेरिकी अधिकारी अभी जांच कर रहे हैं, लेकिन कोई निश्चित समय सारिणी घोषित नहीं की गई है। 25 अप्रैल 2026 को वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में डिनर के दौरान एक संदिग्ध (कोल एलन) ने शॉटगन, पिस्तौल और चाकू लहराते हुए सिक्योरिटी चेकपॉइंट तोड़ा और गोली चलाई। सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत नेताओं को सुरक्षित निकाला; एक एजेंट को गोली लगी लेकिन बुलेटप्रूफ वेस्ट से बच गया। बहरहाल, जांच की स्थिति यह है कि स्नक्चढ्ढ की एंटी-टेरर यूनिट जांच लीड कर रही है, जिसमें हथियार, गवाह बयान और संदिग्ध के मैनिफेस्टो की पड़ताल शामिल है। एक्टिंग अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा कि संदिग्ध ट्रंप व उनकी टीम को टारगेट बना रहा था, लेकिन वो सहयोग नहीं कर रहा। ट्रंप ने इसे सिक्योरिटी सक्सेस बताया, पर सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल उठे हैं।

संपादकीय

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है। जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे। बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरुआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा। कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी।

एक बीघा में 50 क्विंटल गेहूं उगाने और गुड़ की खेती करने के बाद मुख्यमंत्री @DrMohanYadavzv जी दूध का रकबा बढ़ाने की बात कर रहे हैं।खेती-किसानी, खून पसीने की मेहनत का फल है, जिसके बारे में मुख्यमंत्री जी कुछ नहीं जानते।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

बीच-बचाव करने आई प्रेग्नेंट पत्नी को धक्का देकर गिराया

दामाद ने सास को बैट से मरते दम तक पीटा, मौत

न्यूज क्राइम फाइल

पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहिरगवां के ऊड़की गांव में एक युवक ने अपनी सास की हत्या कर दी। आरोपी ने लकड़ी के बैट से सास को मरते दम तक पीटा। घटना शुक्रवार देर रात 9.30 से 10 बजे के बीच की थी। मृतका की पहचान रीता राय (50) के रूप में हुई। मृतका की सबसे छोटी बेटी खुशी राय की शादी पिछले साल 23 मई को सतना जिले के ग्राम गौड़ा (पंचायत उसरर) निवासी संदीप विश्वास (28) से हुई थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से संदीप और उसका परिवार बाइक और स्मार्टफोन की मांग को लेकर खुशी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे।

दहेज की मांग को लेकर परिवार से किया विवाद

गुरुवार को आरोपी संदीप अपनी गर्भवती पत्नी खुशी को उसके मायके छोड़ गया था। शुक्रवार (1 मई) सुबह वह जीजा के साथ दोबारा ससुराल पहुंचा। यहां दहेज की मांग को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर उसने सास को जान से मारने की धमकी दी थी।

सास के सिर पर एक के बाद एक तीन वार किए

मृतका के देवर संजय राय ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9:00 बजे रीता राय घर में खाना बना रही थीं। तभी आरोपी संदीप वहां पहुंचा। उसके हाथ में लकड़ी का बैट था। उसने सास के सिर पर बैट से हमला किया। बीच-बचाव करने आई गर्भवती पत्नी खुशी को आरोपी ने धक्का देकर गिरा दिया। आरोपी ने सास के सिर पर एक के बाद एक तीन वार किए। हमला घातक था और रीता राय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित

थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पांडे ने कहा कि पुलिस ने मामले की गंभीरता देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। उसकी तलाश जारी थी। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

रीवा के चाकघाट थाने में युवक ने खाया जहर

न्यूज क्राइम फाइल

रीवा जिले के चाकघाट थाना परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब पूछताछ के लिए बुलाए गए एक युवक ने थाने के अंदर ही जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने तत्काल युवक को उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और ड्डष्ट में इलाज जारी है। युवक की पहचान पुष्पराज मांझी (25) निवासी ग्राम सेंगरवार सतपुड़ा के रूप में हुई है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, युवक की कथित प्रेमिका की शादी हो जाने के बाद भी वह उससे संपर्क कर रहा था और फोटो वायरल करने की धमकी देने का आरोप है। इस संबंध में युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने युवक को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसी दौरान थाने परिसर के भीतर ही युवक ने जहर खा लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस द्वारा युवक से रिश्वत की मांग की जा रही थी, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। थाना प्रभारी बालकेश सिंह ने बताया कि युवक को केवल पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के दौरान अचानक उसने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे अस्पताल में भर्ती कराया। रिश्वत मांगने के आरोपों को उन्होंने निराधार बताया और कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

विकसित और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न जनजातीय भाई-बहनों की भागीदारी से ही पूर्ण होगा...प्रदेश में भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है, जो जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति सरकार के भाव को प्रकट करता है।

मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

सिंहस्थ के लिए कुबेर भंडारी पार्किंग तक रास्ता चौड़ा

ओंकारेश्वर में अतिक्रमण कर बने 13 होटल-मकान तोड़े

न्यूज क्राइम फाइल

तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आज शनिवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने होटल और मकानों पर बुलडोजर चला दिया। इस दौरान 13 होटल और मकानों को 100त तक जमींदोज कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान करीब चार जेसीबी और पोकलेन मशीनें तैनात रही। नेतृत्व महिला अफसरों ने किया। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस और सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान, डिप्टी कलेक्टर ममता चौहान और नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी मौजूद थी। जिन्होंने स्थानीय रहवासियों के विरोध और प्रदर्शन के बीच पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान भारी संख्या में थाना मांधाता का पुलिस बल मौजूद रहा।

दंडी आश्रम से पार्किंग तक तोड़ने की कार्रवाई

सीएमओ मोनिका पारधी के अनुसार, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई ओंकारेश्वर बांध रोड़ पर दंडी आश्रम से लेकर कुबेर भंडारी स्थित पार्किंग स्थल तक की गई हैं। इस दौरान दो से तीन होटल और बाकी मकानों सहित कुल 13 अतिक्रमण चिन्हित किए गए थे, जिन्हें हटाया गया हैं। सड़क चौड़ीकरण और निर्माण के लिए करीब 18 मीटर जगह चाहिए थी, अतिक्रमण हटाने के बाद कहीं-कहीं 40-50 मीटर तक की जगह मिली हैं। बाकी जगह को पार्किंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

महाकाल मंदिर में लगाया फोगिंग सिस्टम

न्यूज क्राइम फाइल

बीते एक हफ्ते से उज्जैन में तापमान 40 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। ऐसे में लोग जरुरी कामों के लिए ही घरों से निकल रहे हैं। हीट वेव के बाद भी महाकाल के भक्तों की श्रद्धा कम नहीं हुई। इतनी भीषण गर्मी में भी महाकाल मंदिर में रोजाना एक लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इन भक्तों को गर्मी से बचाने के लिए महाकाल मंदिर समिति ने पहली बार महाकाल लोक में फोगिंग सिस्टम लगाया है। फिलहाल इसको मानसरोवर से त्रिनेत्र तक डेमो के रूप में इंस्टाल करवाया गया है। अगर ये कारगर रहा तो पूरे महाकाल लोक और मंदिर परिसर में भी इसे लगाने की योजना है।

श्रद्धालुओं को 900 मीटर पैदल चलना पड़ता

दरअसल त्रिवेणी से मानसरोवर तक करीब 900 मीटर तक भीषण गर्मी में श्रद्धालुओ को पैदल चलना पड़ता है। इसके लिए मंदिर समिति ने पहले से मेट, धूप से बचने के लिए शामियाने और पेयजल के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था तो की है, लेकिन इसके बाद भी गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं को ठंडक देने के लिए फोगिंग की व्यवस्था की गई है। अब श्रद्धालुओं के ऊपर पानी की बौछार पड़ रही हैं, जिससे उन्हें ठंडक मिल रही है। श्रद्धालु मंदिर की इस व्यवस्था से खुश भी नजर आए। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष पलवड़िया ने बताया कि टेंट, पेयजल, कार्पेट की व्यवस्था पहले से थी। अब डेमो के रूप में फोगिंग शुरू किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो इसे बढ़ाकर पूरे महाकाल लोक में इंस्टाल करवाया जाएगा।

कार्यक्रम

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जबलपुर पहुंचकर बरगी डैम के हृदय विदारक हादसे का स्थल अवलोकन किया और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। हादसा निश्चित रूप से अत्यंत दुःखद है। हताहतों के दुःख की सीमा का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि गरीब और छोटे किसानों के कल्याण के लिए हमने हमेशा नेक नीयत से काम किया है। वहीं, कांग्रेस और उसके साथियों की नीयत में ही खोट है, इसलिए उन्होंने इनका कभी भला नहीं किया।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

एक महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे

मुंबई इंडियंस को झटका, मिचेल सैंटनर टूर्नामेंट से बाहर

न्यूज क्राइम फाइल

आईपीएल में लगातार हार का सामना कर रही मुंबई इंडियंस के लिए एक और बुरी खबर आई है। उनके स्टार ऑलराउंडर और न्यूजीलैंड के वाइट बॉल कप्तान मिचेल सैंटनर चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सैंटनर को बाएं कंधे में ग्रेड-थ्री ACL इंजरी हुई है। इसके चलते वह कम से कम एक महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। स्कैन रिपोर्ट आने के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

चेन्नई के खिलाफ मैच में चोटिल हुए थे

सैंटनर 23 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले चोटिल हो गए थे। फील्डिंग के दौरान डाइव लगाते समय उनका बायां कंधा जमीन से टकरा गया था। इसके बावजूद मैच में उन्होंने पूरे 4 ओवर फेंके थे और एक विकेट भी चटकाया। हालांकि वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतर सके। इसी हफ्ते वे इलाज के लिए भारत से स्वदेश लौटे हैं।

मुंबई ने ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था

34 वर्षीय सैंटनर को मुंबई ने ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस ढ्ढक्क में वह शुरूआती मुकाबलों में नहीं खेले थे। उन्होंने वर्ल्ड कप के बाद निजी कारणों से ब्रेक लिया था और फ्रेंचाइजी के साथ देर से जुड़े थे। सैंटनर ने इस सीजन खेले 4 मैच में लगभग 9 की इकोनॉमी से रन देते हुए 5 विकेट लिए। बल्लेबाजी में उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से भी बाहर

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने सैंटनर को कम से कम एक महीने तक आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी है। इस वजह से वे मई के अंत में आयरलैंड के खिलाफ होने वाले इकलौते टेस्ट से बाहर रहेंगे। इसके अलावा जून की शुरुआत में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे। दूसरे और तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी होगी या नहीं, इसका फैसला उनकी रिकवरी को देखते हुए बाद में लिया जाएगा।

पत्नी के साथ जलाभिषेक किया; कंपनी बना रही ?4,081 करोड़ से रोपवे

गौतम अडाणी शादी की 40वीं सालगिरह पर केदारनाथ पहुंचे

न्यूज क्राइम फाइल

गौतम अडाणी ने आज सुबह रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम के दर्शन किए। अडाणी ने शादी की 40वीं सालगिरह पर पत्नी प्रीति अडाणी के साथ महादेव का जलाभिषेक किया। इसी दौरान ड्ढड्ढक्क कल्चर को देखकर वहां मौजूद पुजारी व श्रद्धालु भड़क गए और नारेबाजी करने लगे। अडाणी सुबह दिल्ली से देहरादून पहुंचे और वहां से प्राइवेट हेलिकॉप्टर से धाम पहुंचे। दर्शन के बाद उन्होंने प्रस्तावित सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना का एरियल सर्वे किया। इसके बाद अडाणी ने धाम से जुड़ी फोटो शेयर की। केदारनाथ के कपाट 22 अप्रैल को लोगों के लिए खोल दिए गए थे। जिला प्रशासन के मुताबिक, अब तक यहां 2.5 लाख से ज्यादा लोग दर्शन कर चुके हैं।

अडाणी की कंपनी बना रही केदारनाथ में रोपवे

अडाणी की कंपनी सोनप्रयाग-केदारनाथ रोपवे परियोजना पर काम कर रही। लगभग 13 किलोमीटर लंबी यह रोपवे प्रणाली दुनिया के सबसे ऊंचे और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में से एक में स्थापित की जा रही है। अभी श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग से केदारनाथ तक पहुंचने के लिए 16 किलोमीटर की खड़ी और

थका देने वाली पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसमें औसतन 8 से 9 घंटे का समय लगता है। हालांकि, इस रोपवे के शुरू होने के बाद यह कष्टकारी सफर महज 36 मिनट में सिमट जाएगा। यह प्रोजेक्ट दुनिया की सबसे सुरक्षित और आधुनिक तकनीक पर आधारित होगा, जिसे खराब मौसम और तेज हवाओं के बीच भी सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 4,081 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना का निर्माण अडाणी समूह द्वारा %पर्वतमाला योजना% के तहत किया जा रहा है। इसकी क्षमता इतनी व्यापक होगी कि यह प्रति घंटे लगभग 1,800 यात्रियों को एक तरफ से ले जा सकेगा, जिससे सीजन के दौरान उमड़ने वाली भीड़ का प्रबंधन करना काफी आसान हो जाएगा।

सितंबर 2025 में मिला अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को प्रोजेक्ट

गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) ने बताया कि उनको सितंबर में सोनप्रयाग से केदारनाथ को जोड़ने वाले लगभग 13 किलोमीटर लंबे रोपवे प्रोजेक्ट के निर्माण का ठेका मिला था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस मार्च 2025 में इस रोपवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसे पूरा होने में करीब 5 साल का वक्त लगेगा। केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को इस मार्च 2025 में मंजूरी दी थी। राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इसे बनाएगा। केदारनाथ मंदिर समुद्र तल से 3,584 मीटर की ऊंचाई पर है। यहां मंदाकिनी नदी है। केदारनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

माथा टेकने के बाद लिखा- आप ही मेरी असली शक्ति

गौतम अडाणी ने ङ्क पर फोटो तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- %आज का दिन मेरे लिए विशेष है, एक ओर विश्व श्रमिक दिवस है और दूसरी ओर मेरे विवाह की 40वीं वर्षगांठ। इस पावन अवसर की शुरुआत मैंने अपनी जीवनसंगिनी प्रीति के साथ केदारनाथ धाम में भगवान महादेव के दर्शन और आशीर्वाद से की। चार दशकों की इस यात्रा में, प्रीति का साथ मेरे लिए केवल जीवन का संबल नहीं, बल्कि हर चुनौती में एक शांत शक्ति और हर सफलता में एक विनम्र आधार रहा है, इसके लिए मैं हृदय से उनका आभारी हूं।

संघ से लेकर जनसंघ व भाजपा तक, राष्ट्रसेवा व समाज-कल्याण के लिए समर्पित %भारत रत्न% नानाजी देशमुख जी ने ग्रामोदय को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा के आजीवन पथप्रदर्शक रहे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

जंगल में दोस्त को बंधक बनाकर नाबालिग से गैंगरेप

खींचकर झाड़ियों में ले गए, विरोध पर थप्पड़ मारे; पीड़िता रोती-गिड़गिड़ाती रही

न्यूज क्राइम फाइल

पन्ना के देवेन्द्रनगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना बुधवार 29 अप्रैल 2026 को हुई। नाबालिग लड़की अपने परिचित युवक से मिलने देवेन्द्रनगर पहुंची थी। युवक अपने साथी के साथ बाइक से आया था। तीनों सुनसान जगह पर रुके थे। तभी दो बाइकों पर सवार तीन अज्ञात लोग पहुंचे और विवाद करने लगे। आरोप है कि उन्होंने किशोरी को साथ भेजने का दबाव बनाया। युवक ने रोकने की कोशिश की और छोड़ने की गुहार लगाई।

युवक से नकदी, मोबाइल और चेन छीनी

इस दौरान आरोपियों ने युवक से नकदी, मोबाइल और चांदी की चेन छीन ली। इसके बाद उन्होंने किशोरी, युवक और उसके साथी को जबरन कब्जे में लेकर कहा कि उन्हें थाने ले जाया जा रहा है। डर और दबाव में तीनों को वाहनों सहित जंगल के सुनसान इलाके में ले जाया गया। वहां किशोरी के परिचित युवक और उसके साथी को अलग बैठाकर मारपीट की गई।

पीड़िता के साथ तीन आरोपियों ने किया गैंगरेप

इसी दौरान एक आरोपी किशोरी को खींचकर झाड़ियों में ले गया। किशोरी रोती-गिड़गिड़ाती रही, लेकिन आरोपी ने एक न सुनी और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। शिकायत के अनुसार तीनों आरोपियों ने बारी-बारी से दरिंदगी की। विरोध करने पर उसे थप्पड़ मारे गए, चोट पहुंचाई गई और जान से मारने की धमकी दी गई। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए।

मऊगंज हनी ट्रैप केस में 2 आरोपी गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

मऊगंज जिले के चर्चित हनी ट्रैप मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब एक सप्ताह की जांच के बाद पुलिस ने महिला और उसके पति को उड़ीसा से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए ठिकाने बदल रहे थे और पश्चिम बंगाल भागने की तैयारी में थे। मामले का खुलासा 18 अप्रैल को भास्कर ने किया था, जिसके बाद 24 अप्रैल की शाम एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए करीब एक सप्ताह के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीओपी सचि पाठक ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

नशीला पदार्थ देकर बनाया वीडियो, 5 लाख की मांग

पुलिस के अनुसार, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष विनोद मिश्रा को नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया। इसके बाद उनका आपत्तिजनक वीडियो बनाया गया और उसी के जरिए ब्लैकमेल कर 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। रकम नहीं देने पर वीडियो लीक करने की बात भी सामने आई है।

रेलवे कर्मचारी को प्रेम जाल में फंसाया, 21 लाख वसूले: सोशल मीडिया से दोस्ती की,नशीला पदार्थ देकर बनाए वीडियो, झूठे रेप केस में फंसाने दी

न्यूज क्राइम फाइल

मंदसौर जिले के सीतामऊ क्षेत्र में महिला ने युवक को प्रेम जाल में फंसाकर उससे लाखों रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक रेलवे कर्मचारी है। शिकायत के अनुसार, आरोपी महिला पूजा उर्फ सिया चौहान निवासी कसाई गली, सदर बाजार सीतामऊ ने सुनियोजित तरीके से पीड़िता के पति को अपने जाल में फंसाया। बताया गया कि आरोपी को यह जानकारी थी कि पीड़ित रेलवे कर्मचारी है, जिसके चलते उसने 25 अप्रैल 2025 से फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से उससे संपर्क बढ़ाया और धीरे-धीरे प्रेम संबंध स्थापित कर लिए।

नशीला पदार्थ देकर बनाए वीडियो

आरोप है कि आरोपी महिला पीड़ित को मंदसौर स्थित रामटेकरी क्षेत्र के एक मकान में ले गई, जहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे बेहोशी की हालत में पहुंचा दिया।

इस दौरान उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। होश में आने पर आरोपी ने वीडियो वायरल करने और झूठे दुष्कर्म मामले में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

21 लाख की वसूली

पीड़ित दलौदा स्थित रेलवे क्वार्टर में रहता है, आरोपी के दबाव और बदनामी के डर से लगातार पैसे देता रहा। आरोप है कि आरोपी महिला ने अलग-अलग तारीखों में उसके खाते में करीब 21 लाख 13 हजार रुपये ट्रांसफर करवाए। इसके अलावा नकद राशि भी वसूली गई। पैसे देने के लिए पीड़ित को लोन तक लेना पड़ा और वेतन का अधिकांश हिस्सा भी इसी में चला गया। आरोपी महिला ने खुद को प्रभावशाली लोगों और पुलिस अधिकारियों से जुड़ा बताते हुए पीड़ित और उसके परिवार को बर्बाद करने की धमकी दी। जब पीड़ित ने पैसे देने से मना किया, तो उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसाने और नौकरी से निकलवाने की धमकी दी गई। पीड़ित का कहना है कि जब उसने आरोपी से इस बारे में बात की, तो आरोपी ने उसके घर के सामने आकर अभद्रता की और जान से मारने की धमकी दी। लगातार मानसिक और आर्थिक शोषण से परेशान होकर पीड़ित परिवार ने आखिरकार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका अद्वितीय साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जी क्लेम का खुलासा

ग्वालियर, रतलाम, मुरैना में फर्जी डेथ सर्टिफिकेट से करा लिए ढाई करोड़ के क्लेम

न्यूज क्राइम फाइल

प्रदेश में फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर ढाई करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। बीमा कंपनियों से हुई इस ठगी के मामले में पुलिस ने ग्वालियर, मुरैना, रतलाम समेत प्रदेश के अन्य जिलों में चल रहे संगठित गिरोह के जुड़े होने का राजफाश किया है। फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र मामले में खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने अनेक व्यक्तियों की जानकारी के बिना ही उनके नाम से बीमा पॉलिसियां जारी कराईं। इसके बाद एक वर्ष के भीतर ही ऐसे व्यक्तियों को मृत बताकर नगरीय निकायों से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कराए गए और उनके आधार पर बीमा क्लेम प्राप्त कर लिया गया। विशेष पुलिस महानिदेशक, अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत संगठित अपराधियों के एक गिरोह द्वारा फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्रों के आधार पर ठगी किए जाने का खुलासा किया गया है।

इनके द्वारा बीमा कंपनियों से लगभग ढाई करोड़ रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला सामने आया है। यह संगठित अपराध ग्वालियर, मुरैना, रतलाम सहित प्रदेश के अन्य जिलों में सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि गिरोह के सदस्यों द्वारा विभिन्न बैंकों में फर्जी नामों से सैकड़ों संदिग्ध बैंक खाते

खोले गए तथा इन्हीं खातों के माध्यम से बड़ी संख्या में बीमा पॉलिसियां ली गईं।

क्या है जीवन ज्योति बीमा योजना

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एक केंद्रीय सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को जीवन बीमा कवर प्रदान करना है। 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के हितग्राहियों को 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपए का बीमा कवर उपलब्ध कराया जाता है, जिसकी राशि मृत्यु की स्थिति में नामित व्यक्ति को प्रदान की जाती है।

इस मामले में कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां एक ही परिवार के दो या तीन सदस्यों की मृत्यु एक ही सप्ताह या एक माह के भीतर दर्शाकर बीमा दावा प्राप्त किया गया, जबकि लगभग सभी मामलों में मृत्यु का कारण 'प्राकृतिक' बताया गया है।

दूसरे राज्यों में फैले नेटवर्क की जुटा रहे जानकारी

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा इस संगठित अपराध के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। गिरोह में शामिल आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी, बैंकिंग एवं बीमा नेटवर्क की विस्तृत जांच तथा अन्य राज्यों में फैले नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है। इस मामले में अभी और खुलासे होने की संभावना है।

ग्वालियर पुलिस के लिए मिस्ट्री बना रितेश

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर के मोहनपुर गांव से छह महीने पहले लापता हुआ साढ़े तीन साल का मासूम रितेश पाल अब भी पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बना हुआ है। तमाम कोशिशों, ड्रोन सर्च, पूछताछ और कई एंगल पर जांच के बावजूद बच्चे का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। 1 मई को रितेश के गायब होने के पूरे छह महीने हो गए। मासूम की मां सपना ने दर्द जताते हुए कहा कि हर गुजरते दिन के साथ बेटे के मिलने की उम्मीद कम होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी बड़े परिवार या व्यापारी का बच्चा होता तो पुलिस तुरंत तलाश कर लेती, लेकिन गरीब होने के कारण उनके मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि परिवार का शायद ही कोई सदस्य बचा हो, जिससे पूछताछ न की गई हो। मुरार क्षेत्र के मोहनपुर स्थित काली माता मंदिर के पास झोपड़ी में रहने वाला रितेश 1 नवंबर 2025 की दोपहर करीब 12ः30 बजे घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। करीब 1 बजे जब मां सपना उसे दूध पिलाने पहुंचीं तो वह वहां नहीं मिला।

बिजली तार से गला घोंटा, सुसाइड दिखाने पेड़ पर लटकाया...

न्यूज क्राइम फाइल

कटनी के विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने भैंसवाही गांव में हुई एक अंधे कत्ल पुलिस ने खुलासा किया है। दरअसल, एक 45 साल के शख्स का शव पेड़ से लटका मिला था। पुलिस ने गला घोंटकर हत्या करने के मामले में उसकी प्रेमिका, उसके भाई और उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में इसे मामला आत्महत्या का लग रहा था, हालांकि पुलिस जांच में यह मामला प्लानिंग के तहत किए गए मर्डर का निकला। थाना प्रभारी रितेश शर्मा ने बताया कि 27 अप्रैल को हरीश साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उनके पिता संतराम साहू (45) ने खेत की मेड़ पर लगे आम के पेड़ पर बिजली के तार से फंदा बनाकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पीएम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की हुई पुष्टि

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने मामले की दिशा बदल दी। रिपोर्ट में सामने आया कि मृतक की नाक पर गंभीर चोट के निशान थे। साथ ही, बिजली के तार को इतनी जोर से खींचा गया था कि उनकी श्वासनली का छल्ला टूट गया था। इससे गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई। हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अज्ञात

आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

प्रेमिका ने भाई और उसके साथियों के साथ मिलकर किया मर्डर

जांच के दौरान, पुलिस ने मुखबिरों और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर गांव की पिंकी कोल को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में पिंकी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसके और मृतक संतराम साहू के बीच प्रेम संबंध थे, जो बाद में विवाद का कारण बन गए। इसी रंजिश के चलते पिंकी ने अपने भाई और उसके साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

बिजली के तार को गले में फंसाकर दोनों तरफ से खींचा

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से संतराम साहू को अपने घर बुलाया। वहां पिंकी कोल ने ईंट से हमला कर संतराम की नाक और चेहरे पर गंभीर चोटें पहुंचाईं। इसके बाद पिंकी के भाई रवि कोल और उसके साथियों इत्तू भतरा और मोनू भतरा ने बिजली के लंबे तार को संतराम के गले में फंसाकर दोनों तरफ से जोर से खींचा। ?दम घुटने से मौके पर ही संतराम की मृत्यु हो गई, जिसके बाद आरोपियों ने इसे आत्महत्या दिखाने के लिए शव को पेड़ से लटकाने का प्रयास किया। पुलिस नेचारों मुख्य आरोपी ?पिंकी कोल (प्रेमिका), रवि कोल (भाई) ?इत्तू भतरा और मोनू भतरा ?को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को कोर्ट के सामने पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल वारंट पर जिला जेल कटनी भेज दिया गया है।

नरेंद्र फ्फसरेंडरफ्फ मोदी, आपको US Trade Deal रद्द करने की चुनौती दिए हुए 24 घंटे से ज़्यादा हो गए - आप फिर खामोशी से ह्लद्बह्लड्डद्य निकल गए।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

उज्जैन-नागदा में रेस्क्यू कर 26 नाबालिग छुड़ाए, रात 3 बजे तक चला सर्च अभियान

ट्रेन में अहमदाबाद जा रहे बच्चों की तस्करी का शक

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात बच्चों की तस्करी की सूचना पर बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। अंत्योदय एक्सप्रेस ट्रेन को उज्जैन और फिर नागदा स्टेशन पर रोककर पुलिस, बाल कल्याण समिति और अन्य विभागों की टीम ने 26 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक, बाल कल्याण समिति को सूचना मिली थी कि करीब 100 बच्चों को मजदूरी के लिए मुजफ्फरनगर से अहमदाबाद ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही उज्जैन में चार थानों का बल, आरपीएफ, जीआरपी, श्रम विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम को अलर्ट किया गया।

गुरुवार रात करीब 11 बजे जैसे ही अंत्योदय एक्सप्रेस उज्जैन स्टेशन पहुंची, टीम ने ट्रेन में सर्चिंग शुरू की। करीब आधे घंटे तक 50 से अधिक बच्चों और उनके साथ मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, जिसमें शुरुआती तौर पर 4 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इसी दौरान ट्रेन आगे बढ़ गई। रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहीं सीएसपी दीपिका शिंदे ने तत्काल नागदा स्टेशन को सूचना देकर ट्रेन रुकवाई। वहां एक घंटे तक चली सर्चिंग के बाद 22 और नाबालिग बच्चों को ट्रेन से उतारा गया। इस

तरह कुल 26 बच्चों को रेस्क्यू किया गया।

नागदा से उतारे गए सभी बच्चे नाबालिग बताए जा रहे हैं, जिनमें से दो की उम्र 14 साल से भी कम है। सभी बच्चों को फिलहाल उज्जैन जीआरपी को सौंप दिया गया है। परिजनों से संपर्क कर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी, वहीं बच्चों को फिलहाल CWC उज्जैन में रखा जाएगा। पुलिस को आशंका है कि बच्चों को मजदूरी के लिए गुजरात ले जाया जा रहा था, हालांकि कुछ बच्चे सोमनाथ और अन्य स्थानों पर घूमने जाने की बात भी कह रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

श्रम विभाग की सहायक आयुक्त राखी जोशी के अनुसार, सूचना थी कि चार लोग 100 से अधिक नाबालिगों को गुजरात ले जा रहे हैं। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि बच्चों को किस उद्देश्य से और किन लोगों द्वारा ले जाया जा रहा था।

रीना बोरासी को मैं पवनखेड़ा बनाकर छोडूंगा

न्यूज क्राइम फाइल

महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के आरोपों के बाद आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय का जवाब सामने आया है। उन्होंने वीडियो जारी कर सभी आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वे इस मामले में कोर्ट में आपराधिक और मानहानि का केस करेंगे। विधायक ने यहां तक कहा कि मै उन्हें (रीना बौरासी) को पवन खेड़ा बनाकर छोडूंगा। बता दें कि गुरुवार को भोपाल में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने आलोट विधायक मालवीय के खिलाफ राज्यपाल को शिकायत की थी। विधायक के खिलाफ यौन शोषण, संपत्ति हड़पने के गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि बाद में विधायक ने सभी आरोपों को निराधार बताया था। 'रीना बोरासी ने मेरे ऊपर जो आरोप लगाए है वह नितांत असत्य, तथ्यविहिन व प्रमाणविहिन हैं।

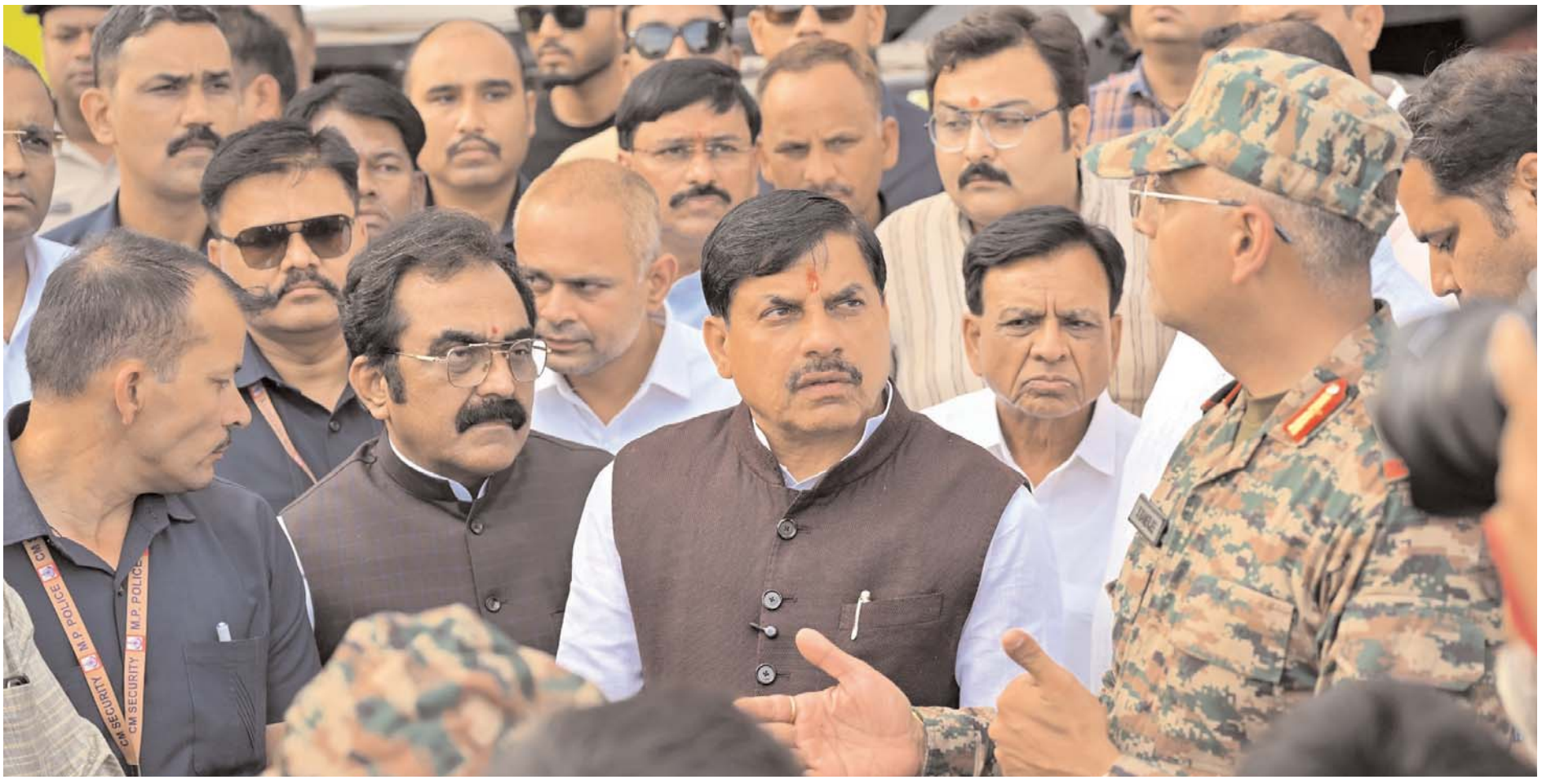

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के बरगी डैम दुर्घटना स्थल पर पहुँचकर राहत एवं बचाव कार्य संबंधी पड़ताल की।

देवास विधानसभा क्षेत्र की विधायक, बहन श्रीमती गायत्री राजे पवार जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदम्पति सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

993 रु. तक महंगा हुआ, प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां, होटलों पर भी होगा असर

शादियों से पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर 3 हजार का हुआ

न्यूज क्राइम फाइल

दो महीने की किल्लत के बीच मध्य प्रदेश में कमर्शियल LPG सिलेंडर 993 रुपए महंगा हो गया है। भोपाल में 3074 रुपए, इंदौर में 3179 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3296 रुपए और उज्जैन में 3241 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। दो महीने में रेट 1248 रुपए बढ़ चुके हैं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। कमर्शियल सिलेंडर के रेट ऐसे समय बढ़े हैं, जब होटल, रेस्टोरेंट-ढाबों को जरूरत की 50 प्रतिशत गैस ही मिल रही है। जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां होनी हैं, ऐसे में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

500 लोगों के खाने पर 50 हजार रुपए खर्च बढ़ेगा

मध्य प्रदेश टेंट कैटर्स एसोसिएशन के रामबाबू शर्मा ने बताया कि सिलेंडर के रेट बढ़ने से होटल और कैटर्स में 10 प्रतिशत तक कॉस्टिंग का फर्क पड़ेगा। 500 लोगों के 5 लाख रुपए के खाने का बजट अब 45 से 50 हजार रुपए तक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सिलेंडर पर 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी ठीक थी, लेकिन करीब 50 प्रतिशत बढ़ोतरी न्याय संगत नहीं है। सरकार को फैसला वापस लेना चाहिए।

होटल संचालक बोले- खाना महंगा करना पड़ेगा

भोपाल होटल एवं रेस्टोरेंट संघ के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर 2 महीने में साढ़े 12 सौ रुपए तक महंगा हुआ है। यानी पहले की तुलना में 60% रेट बढ़े हैं। फरवरी तक सिलेंडर 1800 रुपए में मिल जाता था, लेकिन अब 50 प्रतिशत आपूर्ति ही हो रही है। कमर्शियल गैस नहीं मिलने से डीजल भट्टी और इंडक्शन का उपयोग हो रहा है। इससे डीजल और बिजली का खर्च बढ़ा हुआ है। अब खाने के रेट बढ़ाने पड़ेंगे।

3323 रुपए में रीवा में मिलेगा सबसे महंगा सिलेंडर

प्रदेश में सबसे महंगा सिलेंडर रीवा में 3323 रुपए में मिलेगा। सिंगरौली और सतना-नरसिंहपुर में 3321 रुपए, कटनी में 3320 रुपए, बालाघाट में 3319 रुपए, पन्ना में 3318 रुपए, शहडोल में 3317 रुपए, अनूपपुर, सीधी, मंडला, उमरिया और डिंडौरी में 3315 रुपए, सिवनी में रेट 3308 रुपए हो गए हैं। भोपाल में रेट सबसे कम 3074 रुपए है। शाजापुर-सीहोर में 3081 रुपए, हरदा में 3104 रुपए, सागर में 3105 रुपए, विदिशा-नर्मदापुरम में 3109 रुपए में सिलेंडर मिलेगा।

रेस्टोरेंट में खाने का रेट 10 से 20 प्रतिशत बढ़ेगा

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एमपी हेड अभिषेक बहेती ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें हर महीने बढ़ रही हैं। पहले 60 रुपए, फिर 195 रुपए और अब 993 रुपए तक रेट बढ़े हैं। इससे रेस्टोरेंट में खाने का रेट 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। यह आम लोगों पर बोझ डालेगा।

ग्वालियर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: अल्पसंख्यक संस्थान खुद चुनेंगे प्राचार्य, सरकार नहीं थोप सकेगी नियम; सीनियरिटी बाध्यकारी नहीं

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर स्थित मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगल पीठ ने अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अधिकारों को लेकर अहम और ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थानों को अपने प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य के चयन का पूर्ण संवैधानिक अधिकार है। राज्य सरकार इन संस्थानों पर वरिष्ठता आधारित नियम लागू करने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। सुनवाई के दौरान पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में प्राचार्य की भूमिका केंद्रीय होती है, जो अनुशासन, प्रशासन और शिक्षा की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। ऐसे में संस्थान को यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह अपनी आवश्यकता और योग्यता के आधार पर नेतृत्व का चयन करे, भले ही वह व्यक्ति वरिष्ठतम न हो। कोर्ट ने 25 अगस्त 2021 और 8 सितंबर 2021 को जारी उन सरकारी सर्कुलरों को अल्पसंख्यक संस्थानों पर लागू होने के मामले में निरस्त कर दिया, जिनमें वरिष्ठतम शिक्षक को ही प्रभारी बनाने का प्रावधान था। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि एक बार प्रबंधन द्वारा किसी योग्य व्यक्ति का चयन कर लिया जाए, तो उसकी उपयुक्तता पर सरकार या न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

विदिशा से ग्वालियर तक की कानूनी जंग

वरिष्ठ अधिवक्ता एमपीएस रघुवंशी के मुताबिक, यह मामला विदिशा स्थित एसएसएल जैन पीजी कॉलेज से शुरू हुआ। कॉलेज की तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभा जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद प्रबंधन समिति ने डॉ. एसके उपाध्याय को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया। हालांकि, शासन के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक ने इस फैसले को निरस्त करते हुए वरिष्ठता के आधार पर डॉ. अर्चना जैन को प्रभार सौंपने का आदेश जारी कर दिया। प्रबंधन ने इसे अपनी स्वायत्तता में हस्तक्षेप मानते हुए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग वही खेत, वही मेहनत
लेकिन कमाई कई गुना ज्यादा।
किसान की आय बढ़ाने का स्मार्ट मॉडल।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

एसपी बोले- हम जरूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन कर रहे, राज की जमानत याचिका खारिज

सोनम की जमानत रद्द कराने हाईकोर्ट जाएगी शिलॉन्ग पुलिस...

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम को मिली जमानत के बाद अब इस कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। शिलॉन्ग पुलिस सोनम की जमानत को चुनौती देने के लिए मेघालय हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रही है। पुलिस का मानना है कि सोनम इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड है और उसकी रिहाई से केस के गवाहों को प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। जमानत मिलने से वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। वहीं दूसरी ओर शुक्रवार को राज कुशवाहा की जमानत याचिका को शिलॉन्ग कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

शिलॉन्ग एसपी विवेक सियेम ने बात करते हुए कहा कि हम जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं और कानून के मुताबिक इस मामले को आगे बढ़ाते रहेंगे। कोर्ट ने अपने अधिकारों का उपयोग किया है। हमारी जांच नियमों के अनुसार आगे बढ़ेगी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस उन बिंदुओं को ही आधार बनाएगी, जिन बिंदुओं पर शिलॉन्ग की सत्र न्यायालय ने सोनम को

जमानत दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शिलॉन्ग पुलिस अब इस मामले से जुड़े साक्ष्यों और तथ्यों को और मजबूती से प्रस्तुत करने की रणनीति बना रही है, ताकि हाईकोर्ट में जमानत आदेश को चुनौती दी जा सके। वहीं सरकारी वकील केशव गौतम ने इस पूरे मामले को लेकर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

एक और अर्जी दायर करने की तैयारी में सोनम रघुवंशी

शिलॉन्ग पुलिस सूत्रों ने बताया कि जमानत के बाद सोनम को वकील की मदद से शिलॉन्ग में किसी सुरक्षित जगह पर रखा गया है। कारण यह है कि सोनम कोर्ट की अनुमति के बगैर शिलॉन्ग नहीं छोड़ सकती है। वहीं, सूत्रों के अनुसार सोनम खुद शिलॉन्ग से बाहर जाने के लिए कोर्ट में अर्जी दायर कर सकती है। इसके लिए वह स्वयं पर हमले का खतरा होने का तर्क दे सकती है। बताया जा रहा है कि उसके वकील की तरफ से इस मामले में तैयारी की जा रही है।

राज की जमानत कोर्ट ने खारिज की

कोर्ट ने राज कुशवाहा की जमानत को खारिज कर दियाहै। राज के बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई थी कि अंडर ट्रायल मामलों में आरोपितों को लंबे समय तक जेल में रखना उनके अधिकारों का उल्लंघन है। आमतौर पर एक साल से अधिक समय तक जेल में रहने के आधार पर आरोपित जमानत का प्रयास करते हैं, लेकिन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता और मामले के तथ्यों को देखते हुए राज को राहत देना उचित नहीं समझा। राज कुशवाहा की याचिका खारिज होने के बाद अब अन्य आरोपितों की राह भी मुश्किल नजर आ रही है। वहीं सरकारी वकिल केशव गौतम ने बताया कि राज कुशवाहा की जमानत याचिका किस ग्राउंड पर खारिज की गई है यह ऑर्डर देखने के बाद ही बता पाएंगे। अभी ऑर्डर की कॉपी मिलना बाकी है।

एमपी के क्रूज हादसे में अब तक 9 शव मिले: जबलपुर में 4 साल के बेटे को छाती से चिपकाए मिली मां; 3 बच्चे समेत 4 लापता

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक थे। टिकट सिर्फ 29 लोगों की कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ, जिस समय क्रूज डूबा, उस वक्त हवा की रफ्तार 74 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक, स्थानीय ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ।

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए

हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार जनों को दो-दो लाख रुपए

और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। वे दोपहर 4 बजे जबलपुर पहुंच सकते हैं। वहीं प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी जबलपुर पहुंचे हैं, लेकिन उनका हैरान करने वाला बयान सामने आया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक है। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

दिल्ली से घूमने आया था परिवार, पिता-बेटी सुरक्षित

हादसे में मरीना मैसी और उनके चार साल के बेटे त्रिशान की भी मौत हो गई। बचाव दल को आज सुबह दोनों के शव मिले। मां ने अपनी ही लाइफ जैकेट के भीतर अपने कलेजे के टुकड़े को समेट लिया था। उसने बच्चे को अपने सीने से इतनी मजबूती से चिपकाया था कि काल का क्रूर झोंका भी उन्हें अलग नहीं कर सका। रेस्क्यू टीम ने जब उन्हें बाहर निकाला, तो दोनों के शव एक-दूसरे को बाहों में जकड़े हुए थे। यह परिवार दिल्ली से घूमने आया था। पिता प्रदीप मैसी और बेटी सिया किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे।

क्रूज पायलट बोले- संभलने का मौका ही नहीं मिला

क्रूज के पायलट महेश ने बताया, सुरक्षा के इंतजाम तो थे, लेकिन अचानक आए तेज तूफान के चलते क्रूज अनियंत्रित हो गया। किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। महेश को 10 साल का अनुभव है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623